प्रबोधन सत्र क्र.३ : रविवार दि. २९ अगस्त २०१० (सुबह १० से १ बजे तक)

विषय: विदेशी शिक्षा संस्थाओं के नये कानूनमें अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी और मॉयनारिटी के कोटे की व्यवस्था ना करना उनके संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करना है। - एक धोखेबाजी का विश्लेषण।

देश के मानव संसाधन विकास मंत्रालय में, संसद में विदेशी संस्थाओं को भारत में आने के लिए अनुमति देने की दृष्टि से एक कानून बनाया है। उस कानून में एक आपत्तीजनक बात यह है कि उसमें आरक्षण का प्रावधान नहीं है। जो खुल्लम-खुल्ला संविधान का उल्लंघन है और यह षड्यंत्र काँग्रेस के द्वारा हो रहा है। इस धोखेबाजी को नंगा करने के लिए यह चर्चा का विषय बनाया है।

वक्तागण : मा. एन.वनजा मॅडम (सिनिअर सायंटिस्ट, तमिलनाडू)
डॉ. एम. रामनजनेयूलू (प्रोफेसर ऑफ इकॉनॉमिक्स, बंगलोर युनिव्हर्सिटी, कर्नाटक)
डॉ. विनोदीनी (आंध्रप्रदेश)
डॉ. अनिल कुमार (रिडर, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, गव्हर्मेंट आर्टस कॉलेज, त्रिवेंद्रम केरला)
डॉ. एम. मथिवानन (फाउंडर चेअरमन, सा-या-गोश एज्युकेशन ट्रस्ट, तमिलनाडू)
मा. बी.एम. कांबळे (महाराष्ट्र),
डॉ. ककाणी सुधाकर (तेलगु लेक्चरर, आंध्रप्रदेश)
डॉ. के.के. लक्ष्मीनारायन (प्रोफेसर ऑफ इकॉनॉमिक्स, युनिव्हर्सिटी ऑफ हैद्राबाद, आंध्र प्रदेश)

अध्यक्षता : मा. वामन मेश्राम (राष्ट्रीय अध्यक्ष, बामसेफ)

भोजन अवकाश : दोपहर १ से २ बजे तक

प्रबोधन सत्र क्र.४ : दोपहर २.०० से ५.०० बजे तक

विषय: "हे राम" गांधीजी को गोली मारने के बाद के शब्द नहीं थे।

30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे के द्वारा गांधीजी को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। उस समय उनके नीजि सचिव व्यंकट कल्याणम जो कोल्लम शहर केरल राज्य के रहने वाले थे। उन्होंने इस बात का रहस्य उद्घाटन किया। ५० साल बाद इस रहस्य उद्घाटन के पीछे क्या रहस्य है इसका रहस्य उद्घाटन करने के लिए अर्थात पर्दाफाश करने के लिए यह विषय चर्चा का विषय बनाया गया है।

वक्तागण : मा. आरसू सोमन (कुवेत), मा. व्हि.टी.राजशेखर (एडीटर, दलित व्हॉईस, कर्नाटक)
मा. पी.सदाशिवम (जी.एस.डीएई. एस.सी/एस.टी. एम्प्लॉइज असो. तमिलनाडू)
मा. जेमिनी कडू (संपादक, कुणबी समाज दर्पण, महाराष्ट्र)
मा. संदिप चव्हाण (आंध्रप्रदेश), मा. वेलायूदन (केरला)
डॉ. व्ही.व्ही.सुब्रमण्यम (एम.बी.बी.एस., तमिलनाडू)

अध्यक्षता : मा. वामन मेश्राम (राष्ट्रीय अध्यक्ष, बामसेफ)

शिक्षित करो! संगठित करो!! संघर्ष करो!!!

बामसेफ | राष्ट्रीय मूलनिवासी संघ

Reg.: S-17809

केन्द्रीय कार्यालय : ४७६५/४६, (तीसरी मंजिल) रैगरपुरा, करोलबाग, नई दिल्ली-११०००५ फोन : ०११-२८७२६२१३

नारायण गुरू और आयंकाली जन्मदिन के अवसर पर

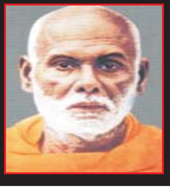

६ वाँ अर्धवार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन एवं साऊथ इंडिया झोनल अधिवेशन

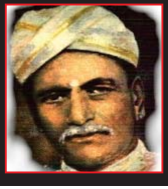

दि. २८, २९ अगस्त २०१० (शनिवार, एवं रविवार)

स्थान : टाऊन हॉल, एर्नाकुलम, केरला

उद्घाटन शनिवार दि. २८/८/२०१० सुबह : १०:०० बजे

उद्घाटक : प्रो. राजु थॉमस (प्रिंसिपाल ऑफ सेंट एन्स कॉलेज ऑफ मॅनेजमेंट स्टडिज, केरला)

मुख्य अतिथि : मा. व्ही. टी. राजशेखर (एडीटर, दलित व्हॉईस, कर्नाटक)
डॉ. एम. सारंगधरन (डायरेक्टर, CONSPI, अॅकेडमी ऑफ मॅनेजमेंट स्टडिज, केरला),

विशेष अतिथि: मा. जी. करूणानिधी (जी.एस. एआयओबीसी एम्प्लॉईज फेडरेशन, तमिलनाडू)
मा. वाय. किरण कुमार (आय.टी.एस., जी.एम., बी.एस.एन.एल., मेडक, आंध्रप्रदेश

अध्यक्षता : मा. वामन मेश्राम (राष्ट्रीय अध्यक्ष, बामसेफ)

बामसेफ के सभी कार्यकर्ता, कैडर्स एवं मूलनिवासी बहुजन समाज के विद्यार्थी, युवा, महिला, बुद्धिजीवि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं हितचिंतकों से अनुरोध है कि इस अधिवेशन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित रहे और इस अधिवेशन को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से साथ सहयोग करें।

जय मूलनिवासी!!

भवदीय

सोमालाल कोटेड
राष्ट्रीय महासचिव (व्यवस्थापन)

शांताराम रणशृंगारे
राष्ट्रीय महासचिव (संगठन)

कार्यक्रम पत्रिका

उद्घाटन सत्र : शनिवार दि. २८ अगस्त २०१० (सुबह १० से १ बजे तक)

विषय: देश में जानवरों की गिनती होती है मगर ओबीसी की गिनती नहीं होती है, ओबीसी के साथ होनी वाली धोखेबाजी का पर्दाफाश।

1872 को अंग्रेजों ने जनगणना का कार्यक्रम प्रारंभ किया तब से इस देश में 1931 तक जनगणना होती थी, मगर जैसे ही भारत को आजादी मिली भारत के शासक वर्ग ब्राह्मणों ने जाति आधारित जनगणना को रोक लगायी। यह ओबीसी के विरोध में षड्यंत्र था। मगर ओबीसी को आज तक इस षड्यंत्र की कोई जानकारी नहीं है। इस षड्यंत्र का पर्दाफाश करने के लिए और इस षड्यंत्र के पीछे कौन है इसका रहस्य नंगा करने के लिए इस विषय को चर्चा का विषय बनाया गया है।

भोजन अवकाश : दोपहर १ से २ बजे तक

प्रबोधन सत्र क्र.१ : दोपहर २.०० से ४.३० बजे तक

विषय: चुनाव के बाद सच्चर कमीशन को लागू करने से इन्कार करना शासक जातियों का मुसलमानों के साथ धोखेबाजी करने के अलावा कुछ भी नही हैं।

२००९ के लोकसभा के चुनाव में काँग्रेस सरकार ने सच्चर कमीशन लागू करने का आश्वासन दिया था। चुनाव के बाद बहुमत मिल गया। मुसलमानों ने समर्थन दिया और काँग्रेस सरकार ने सच्चर कमीशन लागू करने से इंकार कर दिया। सरकार का यह रवैया मुसलमानों के साथ शुद्ध धोखेबाजी है और धोखेबाजी के अलावा कुछ भी नहीं है। क्या इस धोखेबाजी के बारे में मुसलमानों को जानकारी है? हमें ऐसा नहीं लगता। इस बात को ध्यान रखते हुए और सतर्क करने के लिए इस विषय को चर्चा के लिए रखा गया है।

वक्तागण : मा. अब्दुल शुकूर (कर्नाटक), मा. रियाझू मुसा (सिनिअर केडर, केरला),
मा. हसन एम. मुल्ला (कर्नाटक), मा. लियाकत अलि (तमिलनाडू),
मा. व्ही.व्ही. जाधव (महाराष्ट्र), मा. कनिज़ फातिमा मॅडम (सिव्हिल लिबर्टी मॉनिटरिंग कमेटी, आंध्र प्रदेश)

अध्यक्षता : मा. वामन मेश्राम (राष्ट्रीय अध्यक्ष, बामसेफ)

चाय अवकाश : शाम ४.३० से ५.०० बजे तक

प्रबोधन सत्र क्र.२ : शाम ५.०० से ८.०० बजे तक

विषय: "भारत का विभाजन क्यों हुआ?" - एक गंभीर समुद्रमंथन।

कुछ समय पहले भाजपा के दिग्गज नेता जसवंत सिंह ने भारत का विभाजन क्यों हुआ इस पर मंथन करने वाली एक बृहद किताब लिखी। भाजपा इस विषय पर चर्चा नहीं करवाना चाहती थी इसलिए जसवंत सिंह को भाजपा से निकाल दिया। जसवंत सिंह को भाजपा से निकालने की वजह से भारत का विभाजन क्यों हुआ इस पर चर्चा होने की बजाय जसवंत सिंह को पार्टी से क्यों निकाला गया इस पर चर्चा होती रही। भारत का शासक वर्ग जो ब्राह्मणी है वो भारत के विभाजन पर चर्चा क्यों नहीं करना चाहता है यह एक रहस्य है। जब भारत का विभाजन हुआ था उस समय पर भी भारत का विभाजन क्यों हुआ इस विषय की चर्चा बंद करने के लिए गांधीजी की हत्या कर दी गयी थी। हत्या करने की वजह से भारत का विभाजन क्यों हुआ इसकी चर्चा बंद हुई और गांधीजी की हत्या क्यों हुई इस विषय पर चर्चा शुरू हुई। उस समय पर भी भारत के शासक वर्ग ने भारत का विभाजन क्यों हुआ इसकी चर्चा बंद करवाई थी। आखिरकार भारत का विभाजन क्यों हुआ इस पर भारत का शासक वर्ग क्यों चर्चा करना नहीं चाहता यह एक रहस्य है। इस रहस्य से परदा उठाना जरूरी हैं। इसलिए इस विषय पर हम चर्चा कर रहें हैं।

वक्तागण : डॉ. जीलूकारा श्रीनिवास (आंध्रप्रदेश), डॉ. शिवानंदन (प्रोफेसर ऑफ इकॉनॉमिक्स, केरला)
मा. अण्णामलाई (डायरेक्टर सिविल को-ऑर्डिनेटर ऑल इंडिया कॉन्फेडरेशन ऑफ एस.सी/एस.टी कोकमेटी, तमिलनाडू)
डॉ. डी.आर. सेकर (सायंटिस्ट, तमिलनाडू), प्रा. डी.आर.ओहाळ (महाराष्ट्र)

अध्यक्षता : मा. वामन मेश्राम (राष्ट्रीय अध्यक्ष, बामसेफ)